जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

विद्यावारिधि (पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021

नियमावली एवं आवेदन पत्र

निदेशक,
अनुसन्धान केन्द्र
जरारासंविवि, जयपुर

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड़, जयपुर, (राज॰) - 302026
वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई–मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्सः 0141 - 2850564

विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा नियमावली- 2021

1.प्रवेश परीक्षा पात्रता नियम -

1. विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी को यू.जी.सी. द्वारा मान्य आचार्य (स्नातकोत्तर) अथवा एम.ए. (संस्कृत) / संयुक्ताचार्य पञ्चवर्षीय पाठ्यक्रम / दो वर्षीय आचार्य (आचार्य सेमेस्टर प्रणाली) एम.फिल. उपाधि में 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

अथवा

आचार्य स्नातकोत्तर / एम.ए. संस्कृत सहित शिक्षाचार्य / एम.एड. (शिक्षा स्नातक स्तर पर संस्कृत शिक्षण विषय सहित) उपाधि 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2.प्रवेश नियम -

1. वर्ष 2021 में आयोजित होने वाली प्री-पीएच.डी. विद्यावारिधि पूर्व प्रवेश परीक्षा ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत नियम अनुसार होगी।
2. राज्य सरकार द्वारा प्रवेश हेतु आरक्षण नियम लागू होंगे।
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण (किन्तु ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश पात्रता परीक्षा हेतु निर्धारित प्रक्रिया अनुसार मय शुल्क आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा) एवं ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से विद्यानिधि (एम.फिल.) परीक्षा उत्तीर्ण जिन्होंने षाण्मासिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर चुके हैं, वे छात्र विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा से मुक्त होगें, और वे सीधे ही डी.आर.सी. के लिए पात्र होंगे।
4. अनुसंधान पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण छात्र परिणाम घोषित होने के एक वर्ष के लिए अर्ह माना जाएगा। इसका अंकन परीक्षा प्रमाण पत्र किया जाएगा। इस अवधि के पश्चात् छात्र को पुनः अनुसंधान पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होना होगा।
5. वरीयता सूची में आने वाले छात्रों को विभागवार आरक्षण नियमों के अनुसार उनके विकल्प के अनुरूप रिक्त सीटों पर विद्यावारिधि (पीएच.डी.) में प्रवेश हेतु पात्र माना जाएगा।
6. विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा में 100-100 पूर्णांकों के दो प्रश्न पत्र होंगे। प्रथम प्रश्न पत्र में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
7. प्रथम प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण होने पर द्वितीय प्रश्न पत्र की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन किया जाएगा।
8. प्रवेश हेतु द्वितीय प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत अंक उत्तीर्णांक होगें जिसके आधार पर वरीयता सूची तैयार की जायेगी।
9. मेरिट सूची में आने वाले विद्यार्थियों को विभागवार आरक्षण नियमों के अनुसार उनके विकल्प के अनुरूप रिक्त सीटों पर विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) में प्रवेश का पात्र माना जाएगा।

3.प्रवेश परीक्षा का आयोजन -

1. विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021 वेद, धर्मशास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, श्रमण एवं दर्शन, शिक्षा-शास्त्र तथा योग विषयों में आयोजित होंगी।

4.परीक्षा केन्द्र -

1. विश्वविद्यालय विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021 का परीक्षा केन्द्र ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर स्थित निदेशक, शैक्षणिक परिसर विभाग (परिसर) होगा।

5.प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन प्रक्रिया -

1. विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021 हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र विश्विविद्यालय वैबसाईट-**www.jrrsanskrituniversity.ac.in** से प्राप्त किया जा सकता है।
2. स्वयं के हाथ से सुस्पष्ट अक्षरों में भरे हुए निर्धारित आवेदन पत्र के साथ परीक्षा शुल्क राशि 2000/- (अक्षरे दो हजार मात्र) का कुलसचिव ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के नाम किसी भी राष्ट्रीय कृत बैंक से डी.डी. बनवाकर संलग्न कना अनिवार्य होगा।
3. विश्विविद्यालय परिसर में स्थित इलाहबाद बैंक में निर्धारित प्रवेश परीक्षा शुल्क चालान द्वारा भी जमा कराया जा सकता है।
4. पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र अपेक्षित प्रमाण पत्र के साथ शुल्क सहित प्राचार्य, आचार्य, संस्कृत महाविद्यालय / निदेशक शैक्षणिक परिसर, जरारासंविवि, जयपुर / सम्बद्ध विभागाध्यक्ष, जरारासंविवि, जयपुर के माध्यम से निदेशक अनुसंधान केन्द्र जरारासंविवि, जयपुर कार्यालय में जमा करना होगा।
5. आवेदन पत्र की समस्त प्रपूर्ति के साथ आवेदन पत्र दिनांक 30.11.2021 तक कार्यालय समय अपराह्न 5.00 बजे तक ही जमा किया जा सकेगा, इसके पश्चात् किसी का आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होगा।
6. आवेदन पत्र भरने में की गई किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए छात्र स्वयं जिम्मेदार होगा। गलत जानकारी देने पर नियमानुसार कार्यवाही भी की जा सकती है।
7. विश्वविद्यालय के विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) से सम्बन्धित नियम परीक्षा पाठ्यक्रम एवं अन्य समस्त जानकारियाँ विश्वविद्यालय की वैबसाईट - **www.jrrsanskrituniversity.ac.in** पर समय - समय पर प्राप्त की जा सकती है।

नोटः- किसी भी आवश्यक स्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत नियम एवं माननीय कुलपति महोदय द्वारा लिये गये निर्णय मान्य होंगे।

निदेशक
अनुसंधान केन्द्र

विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम -

विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा में 100-100 पूर्णाङ्को के दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र को हल करने का समय 90 मिनिट (डेढ़ घण्टा) रहेगा । प्रथम प्रश्नपत्र **संस्कृत वाङ्मय का सामान्य ज्ञान** से अभिहित किया जायेगा। इस प्रश्नपत्र की प्रकृति वस्तुनिष्ठात्मक होगी, जिसमें कुल एक सौ (100) बहुविकल्पात्मक प्रश्न-पूछे जायेगें। द्वितीय प्रश्नपत्र 'शास्त्र-ज्ञान' परीक्षा के नाम से सम्बोधित किया जायेगा। इस प्रश्नपत्र की प्रकृति विषयनिष्ठात्मक/निबन्धात्मक होगी, जिसमें स्वशास्त्रविषयक अतिलघूत्तरात्मक, टिप्पणीपरक तथा शास्त्रीय निबन्ध से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेगें। प्रथम प्रश्न पत्र में उत्तीर्णता के लिए 40 % अंक प्राप्त करने पर द्वितीय प्रश्न पत्र की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन किया जाएगा । प्रवेश हेतु द्वितीय प्रश्न पत्र में 50 % अंक उत्तीर्णांक होगें जिसके आधार पर वरीयता सूची तैयार की जायेगी । मेरिट सूची में आने वाले विद्यार्थियों को विभागवार आरक्षण नियमों के अनुसार उनके विकल्प के अनुरूप रिक्त सीटों पर विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) में प्रवेश का पात्र माना जाएगा । दोनों प्रश्नपत्रों के सभी प्रश्न संस्कृत में होंगे तथा उनके उत्तर भी संस्कृत में देने होंगे । दोनों प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम क्रमशः निम्नानुसार है –

प्रथम प्रश्न पत्र

(संस्कृत वाङ्मय का सामान्य ज्ञान)

समय - डेढ घण्टा **पूर्णाङ्क – 100**

(वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पात्मक उत्तर सहित संस्कृत भाषा में 100 प्रश्न)

नोट- इस(प्रथम) प्रश्नपत्र के अन्तर्गत जिन छः पाठ्यबिन्दुओं को पृथक्-पृथक् अङ्कभार सहित समाहित किया गया है । उनका पाठ्यक्रम क्रमशः अधोलिखित है –

1. **भारतीय संस्कृति एवं पञ्चाङ्ग विज्ञान का सामान्य ज्ञान –** **20 अंक**
(वर्ण व्यवस्था, आश्रणव्यवस्था, संस्कार तथा पञ्चाङ्ग का सामान्य ज्ञान)

2. **भारतीय दर्शनों का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(वेदान्त, मीमांसा,सांख्ययोग, न्याय, वैशेषिक, बौद्ध, जैन तथा चार्वाक दर्शनों का परिचय)

3. **वैदिक साहित्य का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का परिचय)

4. **संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(सन्धि, समास, सुबन्त,तिङन्त,कृदन्त तथा तद्धित का परिचयात्मक ज्ञान- लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

(कारक प्रकरण का ज्ञान – सिद्धान्तकौमुदी के आधार पर)

5. **छन्द, अलंकार तथा संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(क) छन्दो ज्ञान- (आर्या, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा का लक्षणोदाहरण)

(ख) अलङ्कार – (उपमा, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, स्वभावोक्ति, विभावना, निर्दशना, अर्थान्तरन्यास, वक्रोक्ति, विशेषोक्ति एवं श्लेष का लक्षणोदाहरण)

(ग) संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान –

(गद्य, पद्य, नाट्य तथा चम्पूकाव्यों के लक्षण प्रसिद्ध काव्य एवं उनके लेखक)

द्वितीय प्रश्न पत्र

(शास्त्र-ज्ञान)

समय - डेढ घण्टा पूर्णाङ्क – 100

(प्रश्न पत्र संस्कृत में होगा तथा उत्तर भी संस्कृत भाषा में देने होंगे)

नोट- इस(द्वितीय) प्रश्नपत्र द्वारा स्नातकोत्तर (आचार्य/एम.ए.संस्कृत/एम.एड. /शिक्षाचार्य)कक्षा में अधीत शास्त्र ज्ञान परीक्षा अभीष्ट है। अतः यह प्रश्नपत्र सभी विषयों के लिए पृथक्-पृथक् होगा। यह द्वितीय प्रश्नपत्र तीन भागों में विभक्त होगा-

(क) स्नातकोत्तर स्तर पर अधीतशास्त्र/विषय से सम्बद्ध 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। प्रत्येक प्रश्न का अङ्क भार दो तथा उत्तर शब्द सीमा 10-15 शब्द होंगे। 2X10=20

(ख) स्नातकोत्तर स्तर पर अधीतशास्त्र/विषय से सम्बद्ध 20 टिप्पणियाँ पूंछी जायेंगी, जिनमें से दस का समाधान करना अनिवार्य होगा। (शब्द सीमा 40-50 शब्द) 10X5=50

(ग) स्नातकोत्तर स्तर पर अधीतशास्त्र/विषय से सम्बद्ध चार आन्तरिक विकल्पों सहित निबन्ध पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक विषय पर 300-350 शब्दों में शास्त्रीय निबन्ध लिखना होगा।

1X 30=30

नोट- द्वितीय प्रश्नपत्र वेद, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, शिक्षाशास्त्र, वेदान्त, न्याय, मीमांसा, सामान्य दर्शन, बौद्धदर्शन, जैनदर्शन आदि विषयों के लिए अलग-अलग निर्मित होगा। फलतः इस पत्र हेतु विषयवार सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित किये गये हैं –

1. वेद

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. वेदभाष्यभूमिकासंग्रहः (सायण) 2.यज्ञतत्त्वप्रकाशः 3. वेदशाखापर्यालोचनम्

2. धर्मशास्त्र

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. याज्ञवल्क्यस्मृतिः 2.व्यवहारमयूखः 3.वीरमित्रोदयः(संस्कारप्रकाशः)

3. ज्योतिष

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

ज्योतिष गणित –

1. गोलपरिभाषा 2.सूर्यसिद्धान्तः(त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम्)

फलित ज्योतिष-

1. पञ्चाङ्गविज्ञानम् 2.बृहद्वास्तुमाला 3.जातकपारिजात(20 अध्याय)

4. साहित्य

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाशः 2.ध्वन्यालोकः(1,2 व 4 अध्याय)

5. व्याकरण

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. परमलघुमञ्जुषा(धात्वधिकारः) – नागेशभट्टः 2.वैयाकरणभूषणसारः-कौण्डभट्टः

3. महाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्)

6. शिक्षाशास्त्र

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

(क) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार

(शिक्षा एवं दर्शन, विविध दार्शनिक वाद, भारतीय एवं पाश्चात्य शिक्षा दार्शनिकों की विचारधाराएँ, शिक्षा एवं समाज, शिक्षा एवं सामाजिक प्रक्रियाएँ, वैश्वीकरण एवं बदलता भारतीय समाज, गीता एवं उपनिषद् का शैक्षिक देन)

(ख) शैक्षिक अनुसन्धान प्रविधि

(शैक्षिक अनुसन्धान की प्रकृति, क्षेत्र, प्रकार, अनुसन्धान अभिकप्ल, प्राक्कल्पना, न्यादर्श, चर, विधि, विधि, उपकरण, दत्तविश्लेषण, सामान्यीकरण, सन्दर्भ, मुख्यपृष्ठ तथा अनुसन्धान प्रतिवेदन)

(ग) शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

(वाद – व्यवहारवाद, मनोविश्लेषणवाद, मानववाद, विकास की अवस्थाएं, अधिगम, वैयक्तिकविभिन्नता, व्यक्तित्व- भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा, बुद्धि, मापन एवं मूल्यांकन, समूहगतिशीलता, समायोजन तथा मानसिक स्वास्थ्य)

(घ) संस्कृतभाषा शिक्षण तथा संस्कृत शिक्षण में नवाचार

(कौशल, विधि, उपागम, उपचारात्मक एवं निदानात्मक शिक्षण, प्रतिपुष्टि, पुनर्बलन तथा संस्कृत भाषा शिक्षण की नूतन प्रविधियाँ)

7. वेदान्त

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. ब्रह्मसूत्रम्(शांकरभाष्यम्) चतुःसूत्रीयम् 2. पञ्चदशी 3.श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी)

8. न्याय

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1.न्यायदर्शन(प्रथमाध्याय) 2.न्यायसिद्धान्तमुक्तावली 3.व्युत्पत्तिवादः

9. मीमांसा

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. शास्त्रदीपिका(तर्कपादमात्रम्) 2.भाट्टदीपिका(अध्यायत्रयम्)

10. सामान्य दर्शन

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1.वेदान्तसारः 2.सांख्यकारिका 3.तर्कभाषा 4.मानमेयोदय-प्रमाणभागः

11. बौद्धदर्शन

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1.धम्मपद 2.महावग्ग 3. महापरिनिव्वानसूत्रम् 4. न्यायबिन्दुः

12. जैनदर्शन

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. तत्त्वार्थराजवार्तिकम् 2.गोम्मटसारः

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,
मदाऊ, भांकरोटा-मुहाना लिंक रोड, जयपुर (राज.) –302026
वेबसाईटः www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई-मेल - jrrsu@yahoo.com

योग विज्ञान में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) प्रेवश - 2021 हेतु नियमः-

विश्वविद्यालय विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु नियमों में योग विज्ञान के साथ विद्यावारिधि (पीएच.डी.) के नियमों में अधोलिखितानुसार बिन्दुवार समाहित किया जाता हैः-

1. नियम संख्या- 1 प्रवेश पात्रता नियम वे अभ्यर्थी जिन्होंने योग विज्ञान विषय से आचार्य संस्कृत विषय के साथ 55 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण किया हो ऐसे अभ्यर्थी योग विज्ञान विषय में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) 2021 हेतु प्रवेश पात्रता परीक्षा में प्रविष्ट हो सकेंगे।
2. उक्त के अलावा शेष नियम विश्वविद्यालय विद्यावारिधि (पीएच.डी.) नियमों के अनुरूप एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संधारित नियमावली के अनुरूप ही होंगे।

(डॉ. शत्रुघ्न सिंह)
सहायक आचार्य, योग विभाग

निदेशक
अनुसन्धान केन्द्र

Helpline No.:-(+91)-7597122440
जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,
मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड, जयपुर (राज.) 302026
वेबसाईट–www.jrrsanskrituniversity.ac.in, ई–मेल–jrrsu@yahoo.com

Department of Yoga Vijnan

Ph.D Entrance Test Syllabus

Max. Marks- 100

Unit- I Fundamental of yoga science

Origin & definitions of yoga, scope of yoga,personality of A Yogi –its characteristics. nature of yoga In Upnishads, Gita, Shatdarshan & Ayurveda. Types Of Yoga –Rajyoga, Bhakti Yoga, Jyan Yoga, Karma Yoga, Ashtang yoga, Life Sketch & their contributions In the filed of Yoga Patanjali.

Reference:-

- Dr H R Nagendra : Yoga Its Basis and Applications Swami Vivekananda Yoga Prakashana, Bangalore, 2002.
- Swami Chinmayananda : Holy *Géta*, Mumbai.

Unit-II Yoga Sutra

Histroical And compositional knowledge of Patanjal Yoga Sutras, concept of yoga, chitta –its Bhumis and Vrittis, Methods of Vriti control; samadhi –concept and Its types God –its concept and need, yogantrayas; kriya yoga, principle of Karma ,Ashtang yoga , panch kleshas, Sanyama, Occult powers & Kaivalya.

Reference:-

- I.K. Tiwani : Patanjali Yoga Sutra
- स्वामी सत्यानंद सरस्वती : मुक्ति के चार सोपान
- गीता प्रेस : पातंजलि योग प्रदीप

Unit-III Principles Of Hathyoga

Hathyoga-concept, definition, proper place, time, Season For Hathyogic Practices, Elements of Success And Failure In Hath Yoga, Sign & Symptoms of Success In Hath Yoga, Scope Of Hathyoga In Modern Times. Basic Knowledge Of Hath Yoga Texts. Knowledge Of Asanas, Shatkarmas, Paranayama, Mudra & Bandha Pratyahara, Meditation & Samadhi As Described In Hath Yoga Pradipika & Gherand Samita;

Nadanusandhan, Kundalini-Its Forms & Means of Awakening, Nadis, Chakras & Koshas- Their Basic Knowledge.

Reference:-

- K. Taimini, The Science of Yoga , The Theosophical Publishing House, Adyar, Chennai, 2005
- Swami SatyanandaSaraswati, Hatha Yoga Pub: BSY Munger
- स्वामी निरजनानंद सरस्वती, घेरण्ड संहिता, योग पब्लिकेशन ट्रस्ट

Unit-IV Human Anatomy & Physiology

(A) Basic Knowledge of Anatomical & Physiological Aspects of Human Skeletal, Muscular, Digestive, Respiratory, Cardio-Vascular, Endocrical, Sense Organs & Nervous Systems And The Effects of Yogic Practices on Them. Place Form & Functions of Mind. Tridoshas, Dhatus & Malas-Place. Their Salient Feature & Functions.

(B) Various Yogic Practices Described In Hathpradipika & Gherand Samhita Viz.Satkarma, Asanas,Pranayama,Mudras & Bandhas,Meditation Etc-Their Theoretical & Practical Aspects.

Reference:-

- Padma and Sanghani – Human anatomy and Physiology
- Ross and Wilson – Anatomy and Physiology
- ElanieNicponMarieb- Human anatomy and physiology
- C. C. Chattarjee- Human physiology
- Choudhary- Medical physiology
- मानव शरीर रचना एवं किया विज्ञान – डॉ. वृन्दा सिंह
- मानव शरीर रचना एवं किया विज्ञान – डॉ. अनन्त प्रकाश गुप्ता

Unit-V Yoga & Health

Health -its Concept & aims, Swasthavritta Vigyan-Meaning & Aims Yoga & Ayurveda Based Daily Regime, Night Regime, Seasonal Regime, Sadvrat And Achar Rasayan, Diet-Its Concept Definition, Types of Balanced Diet And Its Components, Quality, Timing, Rules & Reguations of Diet Based Upon Hathyoga & Swara Yoga, Indicated And Contraindicated Dietary Articles of A Yoga Pracitioner.

Reference:-

- Straub, R. (2009). Health psychology: A biopsychosocial approach
- Brannon, L., Feist, J. (2010). Health Psychology: An introduction to behavior and health (7th ed.).
- Introduction to Ayurveda and Yoga by David Frawley.
- AshtangaSangraha by Vagbhata.
- K.R. Srikantha Murty (2014) Ashtapga Hridayam, Chaukhamba Sanskrit Series, ISBN 9788121800228

- Fundamental of Foods, Nutrition & Diet Therapy(5 th ed.),ISBN: 9788122419825, New Age Publications.
- Maurice Edward Shils(2012).Modern Nutrition in Health and Disease(11th ed.).ISBN: 9781605474618,
- Lippincott Williams & Wilkins Michelle McGuire, Kathy A. Beerman (2012).

Unit-VI- Yoga Therapy

Concept of Health & Disease, Principles of Yoga Therapy Causes, Sign & Symptoms And Yogic Treatment Of Skeletal, Digestive, Respiratory, Cardio-Vascular, Endocrinal, Nervous System, Reproductive & Mental Discorders, Sense organs Related Problems.

Reference:-

- Yoga for common ailments and IAYT for different diseases – Dr. Nagarathana and Dr. ShamantakamaniNarendran
- Integrated approach of yoga therapy for positive health- Dr. R Nagaratha,
- योग से रोग निवारण – स्वामी सत्यानंद

Unit-VII Research methodologay

(A) Nature of Research, Scientific Approach & Methods, Importance of Research Methods In Yoga, Problems-Meaning & Nature , Nature & Statement Of Hypothesis. Sampling –Meaning & Method Research Methods-Observation Technique, Correlarion Techniques, Experimental Method. Control Nature, Dependents & Correlation Techniques, Experimental Research Method Control Nature, Dependent & Independent Variables, Experimental Method Experimental Designs, Research Designs (Two Randomental Groups Designs & Factorial Designs)

(B) Statistics Meaning & Importance of statistics, Frequency, Distribution, Measures Of Central Tendency, Mean, Median & Mode, Standard Deviation, Correlation Method, Chi-Square Test, Regression Method, Significant of Mean, Test Anova.

Reference:-

- C R Kothari. (2009). Research Methodology: Methods and Techniques. New Age International (P) Ltd. New delhi.
- R. L. Bijlani. (2008). Medical Research: All You Wanted to Know But Did Not Know Who to Ask. Jaypee Brothers Medical Publishers Pvt. Ltd. New delhi
- Zar, J. H., & Zar. (1999). Biostatistical Analysis. Pearson Education. New Delhi